

16.5.20

Dr. Meena Devi

Dept of - Psy.

class - BA part I / paper I

Ques 2 What do you mean by Memory ?

Discuss the stages involved in Memorizing

process. (स्मृति से आप क्या समझते हैं ? स्मृति क्रिया में निहित अवस्थाओं की विवेचना कीजिए)

Ans -> स्मृति एक मानसिक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा पुराने अनुभव सुरक्षित किये जाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर फिर चेतना में बुलौय जाते हैं। यदि हमारे अनुभव और हमारी जानकारी स्मृति के रूप में संक्रीब न हो और भविष्य के उपयोग के लिए वह हमें प्राप्त न हो सके, तो हम अपनी सारी ज्ञान-राशि खो देंगे और प्रत्येक क्षण हम अपना जीवन नये सिरे से प्रारम्भ करेंगे। यह मानसिक क्रिया स्मृति हमारे जीवन की विस्तृत कर देती है। इसलिए स्मृति व्यवहारिक जीवन में पाठ स्मरण करने एवं विचार करने की क्रिया में अत्यन्त आवश्यक है।

Ebbinghaus ने स्मरण की Reproductive process (पुनरुत्पादन प्रक्रिया) माना है।

1. Murphy के अनुसार ->

Memory consist of learning, retention, recall & recognition.

(स्मृति में सीखना, धारणा, प्रत्यावाहन तथा पहचान होती है।)

2. Woodworth & Marquis (वुडवर्थ एवं मार्किस)

Memory consist in remem-

bring & what has been previously learned.

(पूर्वकाल में सीखी गयी क्रिया के पुनः स्मरण की स्मृति कहते हैं।)

उपर्युक्त परिभाषा से स्पष्ट है कि स्मरण एक मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम अपनी पूर्व अनुभवों की वर्तमान चेतना में लाते हैं। मनोवैज्ञानिक ने स्मृति की दो पक्ष जतलाये हैं। धनात्मक पक्ष तथा ऋणात्मक positive & Negative धनात्मक पक्ष की Remembering तथा ऋणात्मक पक्ष की forgetting कहते हैं।

मनीषा मॉडल के अनुसार स्मृति के three stage हैं
 1) Decoding (शुद्ध संकेतन) → शुद्ध संकेतन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसकी सहायता से सूचनाओं के आकार में परिवर्तन किया जाता है कि वे स्मृति में प्रवेश पा सकें। इस अवस्था को Registration भी कहते हैं।

2) Storage (संयोजन) संयोजन की अवस्था में स्मृति में प्रवेश कर चुके सूचनाओं को उतरे जनाओं का कुछ समय के लिए Retained करके रखा जाय इसी Retention कहते हैं।

3) Retrieval (पुनः प्राप्ति) इस अवस्था में स्मृति में संचित सूचनाओं का Recall शब्द खोज की जाती है। इसी अवस्था को Remembering कहते हैं।

Process of Memory

स्मरण में कई उपक्रियाएँ सम्मिलित होती हैं। इनमें जी क्रियाएँ हैं वह इस प्रकार हैं -

1) सीखना (Learning) स्मरण में सीखना प्रथम एता है। इसके बिना स्मरण सम्भव ही नहीं है। पूर्ण रूप से सीखे गये विषय की जल्दी नहीं भूलते। जिस विषय की हम अधिक अभ्यास सीखते हैं उसका शिक्षण अधिक दृष्टिगोचर होता है, अतः सीखना स्मरण का मुख्य कारक है।

2) Recall (पुनः प्राप्ति) जब किसी विषय की हम लोखते हैं, तो उसे धारण करते हैं जैसे कि भाषक की फिलम की देखने पर यदि सहसा उसके कर्तों मिल जाए तो हम उसे पहचान लेते।

3) Retention (धारण) → समय के अन्तर्गत दुःख, चिन्तन तकलीफें इत्यादि का प्रभाव स्मृति चिन्हों पर पड़ता है। निम्न कारणा स्मृति चिन्ह विनष्ट होने लगती है।

4) Recognizing (पहचान) → पहचान आसानी से है कल्पित पुनः प्राप्ति के।

